

45 दिन का वैदिक ज्योतिष कोर्स

यह 45-दिन का वैदिक ज्योतिष कोर्स शुरुआती से लेकर उन्नत स्तर तक ज्ञान प्रदान करेगा। इसमें मूलभूत अवधारणाओं से लेकर कुंडली विश्लेषण, ग्रह योग, गोचर, दशा प्रणाली और उपायों तक का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।

सप्ताह 1: वैदिक ज्योतिष का परिचय

दिन 1-3: ज्योतिष का मूल सिद्धांत

- वैदिक ज्योतिष का इतिहास और महत्व
- 12 राशियाँ और उनके गुण
- 9 ग्रह और उनका प्रभाव

दिन 4-6: पंचांग और समय गणना

- तिथि, नक्षत्र, योग, करण, वार
- लग्न और चंद्र कुंडली का महत्व
- पंचांग पढ़ने की विधि

दिन 7: रिवीजन और प्रैक्टिकल अभ्यास

सप्ताह 2: राशियाँ, ग्रह और भावों की भूमिका

दिन 8-10: बारह भाव (हाउस) और उनके प्रभाव

- प्रथम से द्वादश भाव का महत्व
- विभिन्न भावों में ग्रहों का फल

दिन 11-13: ग्रहों की विशेषताएँ

- शुभ और अशुभ ग्रह
- ग्रहों की मित्रता और शत्रुता
- ग्रहों की उच्च, नीच और स्वराशि स्थिति

दिन 14: केस स्टडी और रिवीजन

सप्ताह 3: कुंडली निर्माण और विश्लेषण

दिन 15-17: जन्म कुंडली बनाना

- कुंडली निर्माण के नियम
- विभिन्न प्रकार की कुंडलियाँ (लग्न कुंडली, चंद्र कुंडली, नवांश कुंडली)

दिन 18-20: कुंडली विश्लेषण के सिद्धांत

- ग्रह स्थिति, युति और दृष्टि
- मंगल दोष, कालसर्प दोष, पितृ दोष

दिन 21: लाइव कुंडली विश्लेषण प्रैक्टिस

सप्ताह 4: दशा, गोचर और ग्रह योग

दिन 22-24: महादशा और अंतरदशा

- दशा प्रणाली का परिचय (विंशोत्तरी दशा)
- दशाओं के फलादेश का अध्ययन

दिन 25-27: गोचर फल और ग्रह योग

- वर्तमान गोचर का प्रभाव
- महत्वपूर्ण योग जैसे गजकेसरी योग, पंच महापुरुष योग

दिन 28: प्रैक्टिकल अभ्यास और संशोधन

सप्ताह 5: उपाय, प्रश्न ज्योतिष और प्रैक्टिकल

दिन 29-31: ज्योतिषीय उपाय

- रत्न, मंत्र, यंत्र और टोटके
- ग्रहों की शांति के उपाय

दिन 32-34: प्रश्न ज्योतिष और भविष्यवाणी

- प्रश्न कुंडली का विश्लेषण
- त्वरित समाधान निकालने की विधि

दिन 35: लाइव केस स्टडी और विश्लेषण

सप्ताह 6: विशेष अध्ययन और समापन

दिन 36-38: विवाह, संतान और करियर ज्योतिष

- विवाह योग और गुन मिलान
- करियर और धन संबंधित योग

दिन 39-41: मेडिकल और राजनीतिक ज्योतिष

- स्वास्थ्य से संबंधित योग
- राजनीतिक और प्रसिद्धि योग

दिन 42-44: प्रैक्टिकल परीक्षा और व्यक्तिगत फीडबैक

दिन 45: समापन और प्रमाणपत्र वितरण
